एनपीसीआईएल
NPCIL

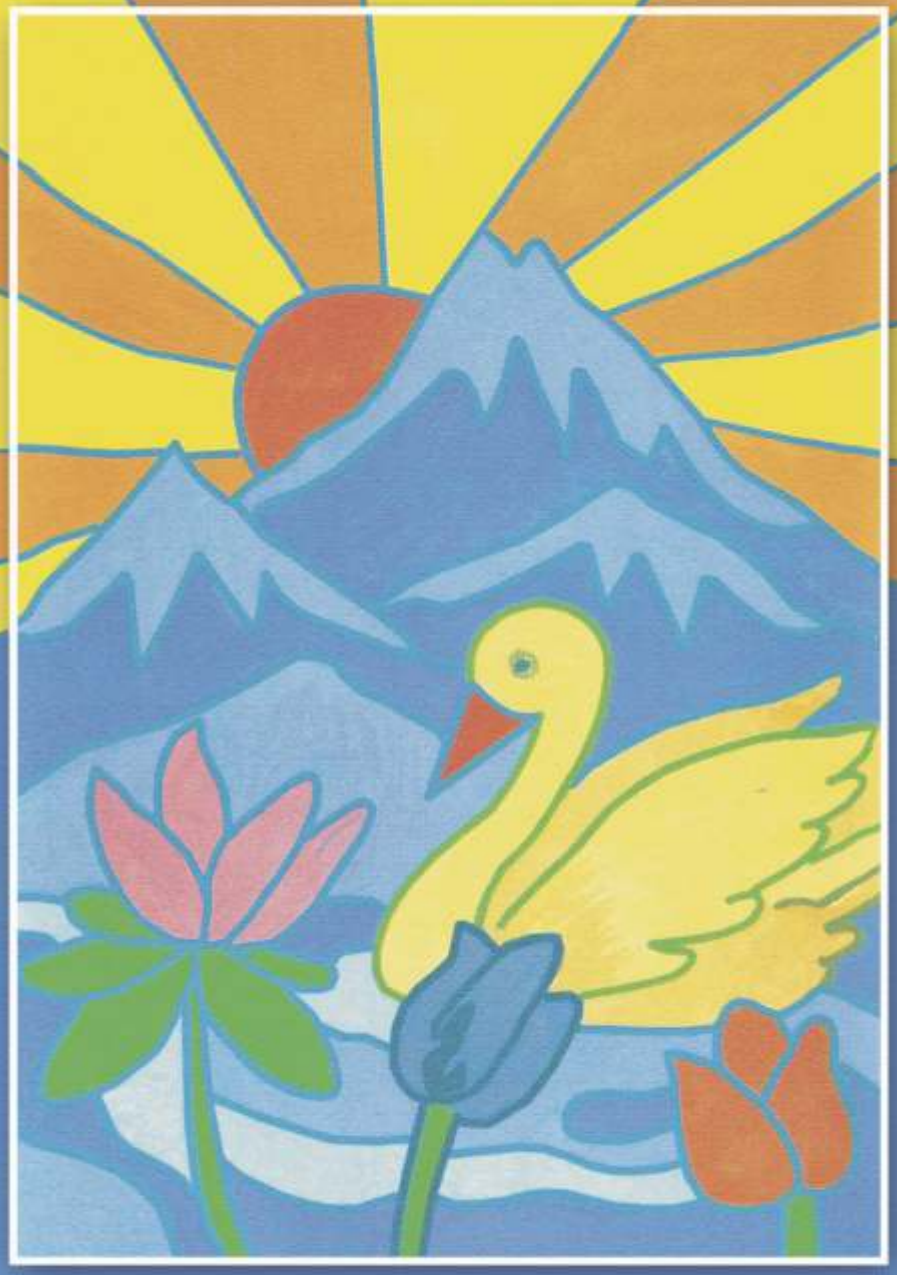

रजत जयंती वर्ष
SILVER JUBILEE YEAR
25
NPCIL
1987-2012

जीवन ज्योतिर्मय हो.....
एनपीसीआईएल का **मानवीय रुप**

let there be light...
the **human face** of npcil

न्यूक्लियर पावर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि.
सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति

आवरण : मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर स्कूली छात्रों के समूह द्वारा आशाओं को व्यक्त करता एक चित्र, यह बच्चे एनपीसीआईएल से सहायता पाने वाले संस्थान सौशील्य में पढ़ते हैं ।

Nuclear Power Corporation of India Ltd.
Corporate Social Responsibility

Cover: A drawing expressing hope and optimism by a group of mentally and physically challenged school children studying at Saushalya, partly aided by NPCIL.

जीवन में समृध्दि,
सामुदायिक सशक्तीकरण

1 *Enriching lives, strengthening communities*

स्वास्थ्य कि देखभाल

2 *Health Care*

हमारी चिन्ता

3 *Concern*

शिक्षा

4 *Education*

आधारभूत संरचनाए

5 *Infrastructure*

पर्यावरण

6 *Environment*

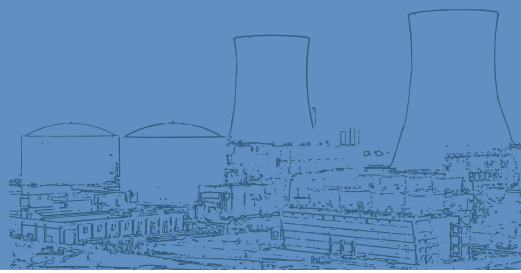

जीवन में समृध्दि, सामुदायिक सशक्तीकरण

एनपीसीआईएल, एक जिम्मेवार सामूहिक नागरिक की भांति अपने सामाजिक दायित्व के प्रति अत्यंत सचेत है, हालांकि एनपीसीआईएल देश हित में संपत्ति बनाने वाले व्यवसाय में उत्कृष्टता तथा कार्यनिष्पादन के उच्चतर सोपानों पर पहुंचने हेतु प्रयास कर रहा है।
एनपीसीआइएल, अपने बिजलीघरों तथा परियोजनाओं के आसपास बसे गांवों तथा कस्बों में रहने वाले लोगों की चिंता करता है। हमारा उद्देश्य अपने समुदायिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये उनके जीवन स्तर, कल्याण तथा भविष्य की समृद्धि है। हम सामान्य परिस्थितियों में तथा आवश्यकता के समय सहायता के लिए तत्पर हैं।

Enriching lives, strengthening communities

NPCIL is deeply conscious of its social obligations as a responsible corporate citizen, even as NPCIL strives to reach higher and higher echelons of performance and excellence in business creating wealth for the nation. We at NPCIL care for the people living in the villages and towns around our stations and projects. Our aim is to enhance their quality of life, welfare and future through our community welfare programmes. Our helping hand is always there - in normal times and in times of need.

सामुदायिक भागीदारी का निर्माण

किसी क्षेत्रमें एनपीसीआईएल के प्रचालन से रोजगार तथा व्यवसाय के अवसरों सहित क्षेत्र की समग्र अर्थव्यवस्था एवं समुदाय के जीवन-स्तर सुधार द्वारा स्थानीय जनसमुदाय को लाभ पहुंचता है। इसके अलावा, स्कूलों तथा अस्पतालों के निर्माण में आर्थिक सहायता, गावों को गोद लेना तथा विभिन्न स्वास्थ्य एवं समुदायिक कल्याण योजनाओं का कार्यान्वयन, एनपीसीआईएल के समुदाय कल्याण रूपी धर्मयुद्ध के प्रमाणक हैं। हालांकि हम परिस्थिति के अनुसार कई गतिविधियां संचालित करते हैं, एनपीसीआइएल के कल्याण कार्यक्रम प्रमुख रुप से चार मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।
हमारे द्वारा प्रमुख रुप से विचारणीय :

- स्वास्थ्य की देख-भाल
- शिक्षा
- आधारभूत संरचना का विकास
- पर्यावरण

Building Community Partnerships

NPCIL's operations in a region benefit the local population most by generating employment and business opportunities, improving the overall economy of the region and the living standards of the community. Besides, grants-in-aid help in building schools and hospitals, adoption of villages and implementation of several health and community welfare schemes is the hallmark of NPCIL's Community Welfare crusade. NPCIL's welfare programmes are mainly focused on four major cornerstones, though we undertake a variety of activities that the situation warrants.
Our principal focus is on:

- Health Care
- Education
- Infrastructure Development
- Environment

स्वास्थ की देख-भाल

Health Care

नागरिकों का स्वास्थ्य राष्ट्र के विकास तथा प्रगति में एका महत्वपूर्ण कारक है। वर्ष १९८३ में प्रथम राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्माण के बाद काफी प्रगति हुई है।

देश में चिकित्सा कर्मियों की कमी सभी के लिए स्वास्थ्य लक्ष्य की प्राप्ति में मुख्य चुनौती है, जिससे कम विकसित क्षेत्रों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विषम प्रभाव पड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित एनपीसीआईएल के सभी बिजलीघर तथा परियोजनाएं संकट के समय सेवाएं प्रदान करती हैं।

हमारे बिजलीघरों तथा परियोजनाओं के सुसज्जित तथा योग्य कर्मचारियों से युक्त अस्पताल आसपास के ग्रामीणजनों को विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं।

एनपीसीआईएल अपने बिजलीघरों तथा परियोजनाओं के आसपास नियमित आधार पर बड़ीसंख्या में चिकित्सा शिविरों का आयोजन करता है। इन शिविरों में यथा - दृष्टि गतिविधि हेतु परीक्षण, नेत्र परीक्षण तथा मोतियाबिंदु सर्जरी, इंट्रा-ऑक्यूलर लेंस प्रतिरोपण, प्लर्जियॉन, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, बच्चों की हेपेटाइटिस-बी का टीका, मधुमेह एवं हाइपरटेंशन के निदान हेतु स्वास्थ्य शिविर इत्यादि शामिल हैं। यहां परामर्श के अलावा कई परीक्षण भी किये जाते हैं तथा औषधियां नि:शुल्क वितरित की जाती हैं। इन शिविरों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ मिलता है। मरीजों को रहने की नि:शुल्क व्यवस्था, भोजन, ड्रेसिंग तथा काले चश्मे भी उपलब्ध कराये जाते है। अतिरिक्त परीक्षण एवं उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों को मुख्य अस्पताल में बुलाया जाता है अथवा नगर अस्पताल में भेजा जाता है।

देश में चिकित्सा कर्मियों की कमी "सभी के लिए स्वास्थ्य" लक्ष्य की प्राप्ति में मुख्य चुनौती है, जिससे कम विकसित क्षेत्रों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विषम प्रभाव पड़ा है।

A major challenge to achieve the goal of "health for all" is the shortage of medical personnel in the country, which is disproportionately impacted on the less-developed and rural areas.

The health of citizens is an important input to the nation's development and progress. Substantial progress has been made since the first National Health Policy was formulated in 1983.

A major challenge to achieve the goal of "health for all" is the shortage of medical personnel in the country, which is disproportionately impacted on the less-developed and rural areas. NPCIL Stations and Projects, all of them located in rural areas, provide a yeoman's service. The hospitals of our stations and projects, well-equipped and manned by qualified staff, provide a range of services to the neighbourhood rural population.

NPCIL carries out a large number of medical camps around its stations and projects on a regular basis. These camps include, for example, examinations for visual activity, eye check up and cataract surgery, intra-ocular lens implantation, plergion, general medical check up, administration of Hepatitis-B vaccine to children, medical camps for diagnosing diabetics and hypertension etc. Besides consultation, various tests are carried out and the necessary medicines are distributed free of cost. These camps benefit a large number of villagers. Free stay arrangements, meals,

हमारी चिंता

Concern

देश समुदाय को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में नागरिक समाज के अन्य संगठनों तथा एनजीओ के विशेष योगदान को मान्य करती है। एनपीसीआईएल को इस धर्मयुद्ध में शामिल होने पर गर्व है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी - २००२)

dressings and dark spectacles are also provided to the patients. Patients requiring further examination and treatment are called to the main hospital or referred to the civic hospital.

In some cases, NPCIL has helped the local Primary Health Centres. At Tarapur NPCIL has provided emergency equipment like Laryngoscope, Ambubag, Endotracheal Tubes, Suction Machine, Baby Weighing Machines etc.

The National Health Policy emphasis lays on the role of information, education and communication as a substantial component of primary health care, consisting of initiatives for disseminating to the citizenry, public health-related information.

NPCIL stations and projects conduct awareness programmes, on health, hygiene, family welfare, AIDS, cancer and the basic principles of preventive health care, on a regular basis. The beneficiaries of such programmes include neighbouring population, members of local bodies, teachers and the students- the most impressionable targets for imparting information.

कुछ मामलों में, एनपीसीआईएल ने स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ केंद्रों की सहायता की है। तारापुर में एनपीसीआईएल ने आपातकालीन उपकरण जैसे- लैरींगोस्कोप, एंबूबैग, एंडोट्राशील टयूब, सक्शन मशीन, बच्चों की वजन मशीन इत्यादि प्रदान किये हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति नागरिक वर्ग में प्रचार हेतु प्रयास समेत प्राथमिक स्वास्थ्य देखरेख के वास्तविक घटक के तौर पर सूचना, शिक्षा तथा जनसंचार की भूमिका पर बल देती है।

एनपीसीआईएल के बिजलीघर तथा परियोजनाएं नियमित आधार पर स्वास्थ्य, स्वास्थ्य - विज्ञान, परिवार कल्याण, एड्स, कैंसर तथा निरोधक स्वास्थ्य देख-रेख के मूल-सिद्धांतो पर जानकारी कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। इन कार्यक्रमों के लाभग्रही पड़ोसी जनसमुदाय, स्थानीय निकायों के सदस्य, शिक्षक तथा विद्यार्थी हैं, जिन्हे सूचना प्रदान करने के लिए प्रमुख प्रभावकारी लक्ष्य समझा जाता है।

A major The National Health Policy (NHP-2002) recognises The significant contribution made by NGOs and other institutions of the civil society in making available health services to the community." NPCIL is proud to be a part of this crusade.

शिक्षा
Education

एनपीसीआईएल की समुदाय कल्याण योजनाएं साक्षरता एवं शिक्षा पर अधिक बल देती हैं एनपीसीआईएल विद्यार्थी समुदाय तथा स्थानीय स्कूलों व कॉलेजों की सहायता करता रहता है। एनपीसीआईएल ने स्कूलों की श्रृंखला के निर्माण, नवीकरण तथा उन्हें फर्नीचर, प्रयोगशाला उपकरण, खेल तथा अन्य उपकरणों से सुसज्जित करने के प्रति वास्तविक योगदान किया है। एनपीसीआईएल बड़ी संख्या में गरीब विद्यार्थियों को स्कूल बैग, नोटबुक, पुस्तकों का संपूर्ण सेट भी वितरित करता है। एनपीसीआईएल स्थानिय प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां भी संचालित करता है।

हम अनुभव करते हैं कि क्षमता वृद्धि से समुदाय फल-फूल सकते हैं और इसके लिए अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षित करना होगा.

We realize that communities can thrive and prosper through capacity building. And the most cogent strategy is to bring children under the purview of education, as many as possible.

NPCIL's community welfare schemes lay much emphasis on promotion of literacy and education. NPCIL continues to help student community and local schools and colleges. NPCIL has been making substantial contributions towards the construction of a series of schools, renovation and equipping them with furniture, laboratory equipment, sports and other gadgets, NPCIL also disburses school bags, notebooks, entire sets of books to a large number of needy students. NPCIL also conducts various co-curricular activities to encourage local talent.

डिजिटल डिवाइड की भरपाई

एनपीसीआईएल का विशेष ध्यान बढ़ते हुए डिजिटल डिवाइड पर है। एनपीसीआइएल ने इस कती को पूरा करने के लिए अपने बिजलीघरों तथा परियोजनाओं के आसपास के स्कूलों में कई बार कंप्यूटर वितरित किये हैं।

Bridging THE DIGITAL DIVIDE

Of particular concern at NPCIL is the growing digital divide. NPCIL has distributed computers on several occasions to the schools around its stations and projects to bridge the gap.

आधारभूत संरचनाएं

Infrastructure

सेतु निर्माण

Building Bridges

सही काम के लिए कोई भी समय सही है

अर्थव्यवस्था के विकास में आधारभूत संरचना की एक अहम भूमिका है। अपर्याप्त आधारभूत संरचना हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को अवरोधित करनेवाली मुख्य बाधाओं में से एक है। किसी क्षेत्र में एनपीसी प्रचालनों से स्थानीय जनसमुदाय के जीवन-स्तर में तथा स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार होता है। किसी भी न्यूक्लियर विद्युत परियोजना की स्थापना से ही आधारभूत संरचना जैसे-अच्छी चौड़ी सड़कों, टेलीफोन एक्सचेंज, पी एवं टी सेवाओं, इत्यादि के विकास की स्थापना प्रवर्तित होती है। न्यूक्लियर संयंत्र के निर्माण तथा प्रचालना हेतु बड़ी संख्या में कामगार नियुक्त किए जाते हैं इन कामगारों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु स्थानीय अर्थव्यवस्था में प्राकृतिक तौर पर सुधार होता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि किसी भी न्यूक्लियर विद्युत संयंत्र की स्थापना मात्र से ही उस कस्बे का रंगरूप तथा किस्मत बदलते देर नहीं लगती।

इसके अलावा, एनपीसीआईएल की समुदायिक कल्याण योजनाएं आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में भी सहयोग देती हैं, जैसे : सड़कों को चौड़ा करना तथा डामर बिछाना, पंचायत तथा समुदायिक सभागृहों का निर्माण करना, स्थानिय किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले उपजाऊ बीजों का वितरण, पाइप से जल का प्रावधान, बोर-वेल, हैंडपंप तथा वाटर-हट की स्थापना एवं समग्र विकास हेतु गांवों को गोद लेना।

Infrastructure plays a pivotal role in the development of an economy. Poor infrastructure is one of the main constraints inhibiting the growth of our rural economy. NPCIL operations in a region help the local population most, generating employment opportunities directly or indirectly boosting the local economy and helping in improving the living standards of the local population. Setting up of a nuclear power project itself triggers the setting up of development of infrastructure: good wide roads, telephone exchanges, P&T services etc. A large workforce is employed for construction and operation of a nuclear plant. The local economy improves naturally to meet the daily needs of this workforce. It is then no wonder that both the fate and face of a once sleepy town is changed with the setting up of a nuclear power plant.

Besides, NPCIL community welfare schemes also contribute to help in building the infrastructure: widening and asphalting of roads, building of Panchayat and community halls, distribution of high yielding varieties of seeds to the local farmers, provision of piped water, bore-wells, hand-pumps and setting up of water-huts and adoption of villages for overall development.

The time is always right to do what is right

पर्यावरण

Environment

सुव्यवस्थित सामन्जस्य

न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के निर्माण तथा प्रचालन के सभी चरणों में न्यूक्लियर संरक्षा के बारे में जिम्मेदारी की भावना से एनपीसीआईएल में पर्यावरण के प्रति सदैव दिलचस्पी रहती है। एनपीसीआईएल को गर्व है कि उसके न्यूक्लियर बिजलीघरों के समग्र बेड़े को आईएसओ १४००१ (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली) प्रमाणन हेतु मान्य किया गया है। एनपीसीआईएल ने अपने संयंत्रों तथा आवासीय कांप्लेक्स के आसपास बड़ी तादाद में वृक्षारोपण द्वारा स्थानीय पर्यावरण को सुरक्षित बनाए रखा है। संयंत्र के आसपास वनरोपण आवासीय तथा प्रवासी पक्षियों की कई प्रजातियों को आमंत्रित करता है। एनपीसीआईएल अपने जन जागरुकता कार्यक्रमों के जरिये स्थानिय पर्यावरण से संबंधित अभियान भी चलाता है। इसके अलावा, एनपीसीआइएल बिजलीघर तथा परियोजनांए वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड (डब्ल्यू डब्ल्यू एफ) के सहयोग से कुछ विशेष गतिविधियां संचालित करते हैं जैसे नरौरा संयंत्र द्वारा गंगा मे डॉल्फिनों का सर्वेक्षण तथा कैगा द्वारा मछली के बीज छोड़ना।

In Harmony

The concern for environment at NPCIL emanates from the overriding concern for nuclear safety in all phases of construction and operation of nuclear power plants. NPCIL is proud that its entire fleet of nuclear power stations has been accredited for ISO 14001 (Environment Management System) certification.

NPCIL also helps to maintain the local environment and refurbish it by planting a large number of trees around its plants and residential complexes. The thick afforestation around the plant invites a variety of birds both resident and migratory species.

NPCIL also conducts campaigns on local environment through its public awareness programmes. Besides, NPCIL stations and projects also carry out specific activities like release of fish seedlings by Kaiga and survey of Ganga dolphins by Narora plant in association with the World Wildlife Fund (WWF).

हम लोग
हमारे लोग

WE PEOPLE
OUR PEOPLE

प्रकाशक :
निगम योजना एवं निगम संचार निदेशालय (सीपी एंड सीसी)
6-एस-14, विक्रम साराभाई भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई-400 094.
ई-मेल : cpcc@npcil.co.in
वेबसाईट : www.npcil.nic.in

एनपीसीआईएल
NPCIL

Published by:
Directorate of Corporate Planning & Corporate Communications (CP&CC)
6-S-14, Vikram Sarabhai Bhawan, Anushakti Nagar, Mumbai- 400094
E-mail: cpcc@npcil.co.in
Website: www.npcil.nic.in